भजन

तर्जः ये सफर बहुत है कठिन

ये ख्वाब हकीकत तो नहीं, बस ख्वाब ही तो है
आए नहीं है हम यहाँ, मगर आए भी तो हैं
ये डगर बहुत है कठिल मगर, है हमारी तो बस ये डगर

1) जो धनी ने हमको बताया है, खुद करके पहले दिखाया है
डनकी वाणी पे यकीन कर.....

2) जो रुह अर्श की होती है, नहीं मुश्किलों से डरती है
उसकी धनी में है नज़र.....

3) पहचान जिनको होती है, हर पल धनी में रहती है
खुद से भी है वो बेखबर

4) जिस दिल में जो भी होता है, धनी से छिपा ना रहता है
हर दिल की उनको है खबर.....

5) गर मिलले की हमें आस है, धनी तो हमारे पास हैं
रुह की चाहत में जो हो असर .....